सोमदत्त बट्टू
अकादेमी पुरस्कारः लोक संगीत (हिमाचल प्रदेश)

SOM DATT BATTU
Akademi Award: Folk Music (Himachal Pradesh)

Born on 11 April 1938 in Jasur village of Kangra district of Himachal Pradesh, Shri Som Datt Battu imbibed the rich musical tradition of the region at an early age. Shri Som Datt Battu received his training in music from Shri Kunj Lal Sharma of Gwalior gharana and Shri Kundan Lal Sharma of Patiala gharana, and was further groomed in the art by Shri Amir Khan of Indore gharana.

An exceedingly popular performer, Shri Som Datt Battu has an extensive experience of performing, disseminating, teaching, and promoting the folk music of Himachal Pradesh. He is a top grade artist of All India Radio and Doordarshan, and had created and produced an acclaimed musical programme based on various folk music genres of Himachal Pradesh. He has represented his State in many prestigious festivals in the country and abroad. He is also a reputed musicologist, and has published his research work in numerous journals. He has many recordings to his credit.

For his contribution in the field of folk music, Shri Som Datt Battu has been honoured with several awards including the Sangeet Kala Ratna conferred by the All India Hindu Vishwa Dharma Sammelan in 1975; the Dr Yashwant Singh Parmar Award conferred by Sirmour Kala Sangam, Himachal Pradesh in 2001; the Lifetime Achievement Award conferred by Punjabi Academy, Government of Delhi in 2012; the Sangeet Martand Award conferred by Arvind Kala Kendra in 2014; and the Sardar Sohan Singh Samriti Award conferred by Punjabi University, Patiala in 2014.

Shri Som Datt Battu receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to the folk music of Himachal Pradesh.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के जसूर गाँव में 11 अप्रैल 1938 को जन्मे, श्री सोमदत्त बट्टू ने बाल्यकाल में ही लोकसंगीत की समृद्ध परंपरा को आत्मसात करना प्रारम्भ कर दिया था। श्री सोमदत्त बट्टू ने ग्वालियर घराने के श्री कुंज लाल शर्मा और पटियाला घराने के श्री कुंदन लाल शर्मा से संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया, और फिर इंदौर घराने के श्री अमीर खान के सानिध्य में अपनी कला को निखारा।

लोकप्रिय कलाकार, श्री सोमदत्त बट्टू को हिमाचल प्रदेश के लोक संगीत की प्रस्तुति, प्रचार-प्रसार, शिक्षण आदि का व्यापक अनुभव है। आप आकाशवाणी और दूरदर्शन के शीर्ष श्रेणी के कलाकार हैं, और आपने हिमाचल प्रदेश की विभिन्न लोकसंगीत शैलियों पर आधारित एक बहुचर्चित कार्यक्रम भी तैयार किया था। आपने देश-विदेश में आयोजित कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपने राज्य का प्रतिनिधित्व किया है। आप एक प्रतिष्ठित संगीतज्ञ होने के साथ ही बहुत ही अच्छे लेखक और शोधकर्ता भी हैं। आपके गीतों की कई रिकॉर्डिंग्स उपलब्ध हैं।

लोकसंगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, श्री सोमदत्त बट्टू को 1975 में अखिल भारतीय हिंदू विश्व धर्म सम्मेलन द्वारा संगीत कला रत्न समेत कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है; जिसमें 2001 में सिरमौर कला संगम, हिमाचल प्रदेश द्वारा डॉ. यशवंत सिंह परमार पुरस्कार; 2012 में पंजाबी अकादमी, दिल्ली सरकार द्वारा प्रदत्त लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड; 2014 में अरविंद कला केंद्र द्वारा संगीत मार्तंड पुरस्कार; और 2014 में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा सरदार सोहन सिंह स्मृति पुरस्कार प्रमुख हैं।

हिमाचली लोकसंगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री सोमदत्त बट्टू को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018